निजामुद्दीन पुल के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल

1925. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा**
श्री राम जेठमलानी :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 27 अप्रैल, 1992 के इंडियन एक्सप्रेस में "सबस्टैंडर्ड कन्सट्रक्शन बिहाइन्ड ब्रिज फिएस्को" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है।

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इस पुल के डिजाइन आदि में त्रुटियों का उल्लेख पुल के निर्माण के समय ही किया गया था;

(ग) क्या सरकार का ध्यान इस पुल के निर्माण में घटियां सामग्री के इस्तेमाल की ओर भी दिलाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उस समय इन आरोपों की जांच के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की थी और उसके क्या परिणाम निकले थे?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) केन्द्रीय लोक निर्माण विभागलोक निर्माण विभाग, दिल्ली प्रशासन के पास उपलब्ध रिकार्डों के अनुसार निजामुद्दीन के समीप यमुना नदी पर पुल के निर्माण के दौरान डिजाइन की त्रुटि अथवा घटिया सामग्री के उपयोग की कोई सूचना नहीं थी।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

ग्रीन लाइन सेवा की व्यवहार्यता

1926 **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में दैनिक यात्रियों की सुविधा और दिल्ली परिवहन निगम के बढ़ते हुए घाट को रोकने के लिये "ग्रीन लाइन सेवा" नामक एक नई बस सेवा शुरू की गयी थी;

(ख) यदि हां, तो यह सेवा कब शुरू की गयी थी और इस सेवा के अधीन कितने मार्गों पर कितनी-कितनी बसें चलायी गयी हैं;

(ग) क्या सरकार ने इन बसों को शुरू किये जाने के कारण होने वाली आय और व्यय का आकलन किया है; और

(घ) यदि हां, तो इन बसों पर आने वाली अनुमानित लागत और व्यय का ब्यौरा क्या है और इन बसों से होने वाली औसत आय कितनी है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, हां।

(ख) पहली ग्रीन लाईन सेवा 22 अगस्त, 1991 को नोएडा सेक्टर-37 और आर० के० पुरम सेक्टर-1 के बीच चार बसें लगा कर शुरू की गई थी। इस समय ग्रीन लाईन के 81 रूटों पर 240 बसें लगी हुई हैं। ब्यौरे का एक विवरण संलग्न है। (नीचे देखिये)।

(ग) जी, हां।

(घ) अप्रैल, 1992 में 7.71 रु. प्रति कि० मी० की दर से औसत आय का अनुमान लगाया गया है। ग्रीन लाईन सेवा के लिए व्यय का कोई अलग लेखा नहीं रखा जाता है। वर्ष 1991-92 के लिए शहरी प्रचालकों के लिए 8.31 रु० प्रति कि०मी० के कार्य चालन खर्च का अनुमान लगाया गया है।